प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2020 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के 20 वे स्थापना दिवस के अवसर पर कुलपति सभाकक्ष में महात्मा गॉधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती हर्ष उल्लास के साथ वीडियों कंफ्रेसिंग के माध्यम से मनाई गयी । इस अवसर पर कार्यकम के मुख्य अतिथि डा0 ऐ0के0 सिंह, उप महानिदेशक, कृषि प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, पूर्व कुलपति डा0 एच0एस0 गौड़, पूर्व कुलपति डा0 एस0के0 गर्ग, मथुरा वेटरीनरी विश्वविद्यालय, डा0 अतर सिंह, निदेशक, अटारी, कानपुर विश्वविद्यालय के माननीय प्रबन्ध परिषद के सदस्य, अधिष्ठातागण/निदेशकगण/वैज्ञानिक/शिक्षक/छात्र/कर्मचारी एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 आर0के0 मित्तल उपस्थिति रहे । कार्यकम में कुलपति एवं अन्य सदस्यों द्वारा महात्मा गॉधी, लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किये गये एवं मॉ सरस्वती की वन्दना दीप प्रज्जवलित कर की गयी । सर्व प्रथम डा0 अनिल सिराही, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा मुख्य अतिथि, कुलपति, पूर्व कुलपति एवं कार्यकम में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों का अभिवादन एवं स्वागत किया ।

तत्पश्चात् मुख्य अतिथि डा0 ऐ0के0 सिंह ने कहा कि आज का दिन हम सब के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि आज ही के दिन दो महान महापुरूषों की जन्म दिवसों की जयन्ती भी है तथा आज ही के दिन 02 अक्टूबर, 2000 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी, विश्वविद्यालय के 20 वे स्थापना दिवस के अवसर पर कुलपति एवं वल्लभ परिवार के समस्त सदस्यों को बधाई देता हूँ । इस अवसर पर उनके द्वारा बताया गया कि महात्मा गॉधी ने कहा था कि देश की स्वयं निर्भरता गॉव में रहने वाली जनसंख्या द्वारा किये गये कृषि एवं अन्य सम्बन्धित उधोगों पर ही निर्भर है । महात्मा गॉधी ने यह भी कहा था कि हमे समाज में फैली असमानताओं को दूर करना होगा तथा ग्राम स्वराज की स्थापना करनी होगी साथ ही स्वदेशी की उत्पादकता को संयमित रहते हुए अपनाना होगा । इस परिपेक्ष्य में डा0 ऐ0के0 सिंह द्वारा बताया गया कि हमे बदलते परिवेश में दुनिया की बढती जनसंख्या के अनुपात में विभिन्न तकनीकी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि उत्पादन बढाना होगा साथ ही कुपोषण दूर करने के लिए हमे कृषि उपज में पोषक तत्वों को शामिल करना होगा एवं विभिन्न सुझाव दिये जिससे किसानों की आय बढ सके । उन्होने कहा कि विभिन्न तकनीकी माध्यमों से हम कृषि में होने वाली लागत को भी कम कर सकते हैं । मुख्य अतिथि द्वारा पिछले तीन वर्षों में कृषि अवशेषों से फैलने वाले वायू प्रदूषण के सम्बन्ध में प्राप्त की गयी एक उपलब्धि के बारे में बताया गया कि हम विभिन्न तकनीकी एवं वैज्ञानिक उपायों से वायू प्रदूषण को 52 प्रतिशत तक कम कर सके हैं जिसमे किसानों का योगदान सर्वश्रेष्ठ है ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 आर0के0 मित्तल द्वारा महात्मा गॉधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला गया साथ ही यह भी बताया गया कि आज ही के दिन दो महान पुरूषों के जन्म दिवस के अवसर पर इस विश्वविद्यालय की स्थापना भी एक महान महापुरूष भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर हुई थी। इसलिए आज का दिन हम सभी के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण बन जाता है । उनके द्वारा पिछले एक वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त की गयी उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया गया जिसमें प्रमुख रूप से तीन नये महाविद्यालयों का संचालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय के लिए वी0सी0आई0 से मान्यता प्राप्त होना एवं पशुचिकित्सा महाविद्यालय के 14 छात्रों द्वारा गुजरात राज्य में वेटरीनरी आफिसर के पद पर चयन होना रहा साथ ही 7 नये कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित हुए । विश्वविद्यालय के 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने हेतु शासन द्वारा धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है । कुलपति जी द्वारा बताया गया कि हर विपदा एक नये अवसर जरूर प्रदान करती है, इस मुशकिल वक्त में शिक्षकों एवं छात्रों के बीच ऑनलाईन क्लासेज के माध्यम से एक नया सम्बन्ध बना है तथा ऑनलाईन परीक्षा में 98.3 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की है ।

कार्यक्रम के अन्त में प्रो0 शमशेर द्वारा मुख्य अतिथि एवं समस्त उपस्थित प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के 20 वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाऐं एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस अवसर पर डा0 दीपक सिशोदिया, डा0 अर्चना आर्य, रितुल सिंह तथा छात्र कल्याण विभाग के वरिष्ठ कर्मी श्री सी0पी0 सिंह उपस्थित रहे ।